भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की को शीर्ष इनोवेटिव संस्थान के रूप में सीआईआई के ग्रैंड पुरस्कार से सम्मानित किया गया

■ आईआईटी रुड़की ने शीर्ष इनोवेटिव रिसर्च इंस्टीट्यूशन के रूप में ग्रैंड जूरी पुरस्कार एवं मोस्ट इनोवेटिव इंस्टीट्यूट पुरस्कार 2023 जीता। ■ उद्देश्य के साथ नवाचार: आईआईटी रुड़की के सामाजिक रूप से प्रभावशाली प्रयास ■ आईआईटी रुड़की की आत्मनिर्भर भारत और सतत समाधान के प्रति प्रतिबद्धता ■ इनोवेशन इकोसिस्टम को फिर से परिभाषित किया गया: आईआईटी रुड़की का विजयी फॉर्मूला ■ सहयोग को बढ़ावा देना: उद्योग-शैक्षणिक तालमेल अपने सर्वोत्तम स्तर पर ■ स्टार्टअप से लेकर सामाजिक पहल तक: आईआईटी रुड़की का समग्र दृष्टिकोण

रुड़की (दैनिक हाक): नवाचार एवं उत्कृष्टता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के एक शानदार प्रमाण में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआईटी रुड़की) एक बार फिर भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) औद्योगिक नवाचार पुरस्कारों के 10वें संस्करण में विजयी हुआ है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की ने शीर्ष इनोवेटिव रिसर्च इंस्टीट्यूशन के लिए ग्रैंड जूरी अवार्ड और 2023 के लिए मोस्ट इनोवेटिव इंस्टीट्यूट पुरस्कार जीतकर दोहरी मान्यता हासिल की। यह प्रतिष्ठित दोहरा सम्मान अग्रणी अनुसंधान एवं नवाचार के प्रति संस्थान की असाधारण प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जो इस तरह की विशिष्ट मान्यता का लगातार चौथा वर्ष है। परिवर्तनकारी अनुसंधान एवं सामाजिक प्रभाव के प्रति अपने अटूट समर्पण को यह प्रदर्शित करता है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की आत्मनिर्भर भारत और टिकाऊ समाधानों के लिए समर्पित है, जो अपने शोध को राष्ट्रीय एजेंडे के साथ जोड़ता है। संस्थान सहयोग, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और रचनात्मकता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के माध्यम से नवाचार को फिर से परिभाषित करता है। शिक्षा और उद्योग को जोड़ने पर मुख्य ध्यान देने के साथ, ग्रामीण टेलीहेल्थ ऐप और पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकियों सहित आईआईटी रुड़की के प्रभावशाली आविष्कार, विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप, आर्थिक और पारिस्थितिक स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। संस्थान एक असाधारण नवाचार एवं अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करता है जो छात्रों और संकाय का दृढ़ता से समर्थन करता है, रचनात्मकता और अभूतपूर्व अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा देता है। संस्थान सक्रिय रूप से शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देती है, जिसके परिणामस्वरूप मूल्यवान बातचीत और प्रौद्योगिकी का आदान-प्रदान होता है। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में हाल की पहल सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बीच अंतर को पाटने के लिए आईआईटी रुड़की की प्रतिबद्धता को उजागर करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि नवीन अनुसंधान उद्योग की प्रगति और सामाजिक प्रगति में प्रभावी ढंग से योगदान देता है। आईआईटी रुड़की का गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र नवाचार और सहयोग के लिए एक समग्र दृष्टिकोण का उदाहरण देता है, जो प्रयोगशाला से बाजार तक प्रभावशाली

परिणाम देता है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की दो अभूतपूर्व नवाचारों के साथ स्थिरता के मामले में सबसे आगे है। सबसे पहले, उन्होंने पेपर कप के लिए एक विशेष कोटिंग विकसित की है, जो उन्हें आसानी से रिसाइकल करने योग्य बनाती है और प्लास्टिक कचरे की समस्या से निपटती है। यह पानी में घुलनशील फॉर्मूला न केवल लागत प्रभावी साबित होता है बल्कि एकल-उपयोग प्लास्टिक को कम करने की वैश्विक पहल के अनुरूप भी है। दूसरी पहल, आईआईटी रुड़की ने मुद्रण के लिए जल-आधारित स्याही प्रस्तुत की है, जो हानिकारक उत्सर्जन को काफी कम करते हुए लागत-प्रभावशीलता और पर्यावरण-अनुकूलता प्रदान करती है। आईआईटी रुड़की के नेतृत्व में किए गए दोनों आविष्कार स्वच्छ, हरित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक हैं, जो आत्मनिर्भर भारत और टिकाऊ समाज की पहल का समर्थन करते हैं। व्यापक संदर्भ में, संस्था वैश्विक चुनौतियों से निपटने और नवीन समाधानों के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (यूएन एसडीजी) में योगदान देने के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है। पानी में घुलनशील कोटिंग और स्याही फॉर्मूलेशन जैसी उल्लेखनीय परियोजनाएं, संयुक्त राष्ट्र एसडीजी द्वारा उल्लिखित वैश्विक विकास के सिद्धांतों के साथ संरेखित, जिम्मेदार उपभोग, पर्यावरणीय नवाचार और समग्र टिकाऊ प्रथाओं के प्रति आईआईटी रुड़की के समर्पण को रेखांकित करती हैं। संस्थान एक समृद्ध शोध वातावरण प्रदान करता है, जो नवाचार और ऊष्मायन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। संस्थान अपने ऊष्मायन और नवाचार पोर्टफोलियो को बढ़ाता है, एक पारदर्शी प्रायोजित अनुसंधान नीति के माध्यम से अत्याधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देता है और उन्नत प्रयोगशालाओं के विस्तार के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। हाल की पहलों में फोटोनिक्स, क्वांटम संचार प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान, ड्रोन, बांध सुरक्षा, टिकाऊ ऊर्जा, टिकाऊ ग्रामीण विकास और भारतीय ज्ञान प्रणाली जैसे क्षेत्रों में बहु-विषयक अनुसंधान केंद्रों की स्थापना शामिल है। यह रणनीतिक दृष्टिकोण विभिन्न क्षेत्रों में समग्र प्रगति के केंद्र के रूप में आईआईटी रुड़की की स्थिति को सशक्त बनाता है। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय में वैज्ञानिक सचिव डॉ. परविंदर मैनी ने आईआईटी रुड़की को यह पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला, नवाचार न केवल आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है बल्कि संगठनों को बदलाव के बीच भी प्रासंगिक बने रहने की अनुमति देता है। भारत के विविध परिदृश्य और आबादी के साथ, निरंतर अनुसंधान और नवाचार की आवश्यकता हमेशा महसूस की गई है, जिससे प्रगति और निरंतर प्रासंगिकता के लिए यह अनिवार्य हो गया है। आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रोफेसर कमल किशोर पंत ने संस्थान की ओर से पुरस्कार स्वीकार किया और कहा कि हम इस मान्यता से सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जो नवाचार एवं अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए आईआईटी रुड़की की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह पुरस्कार एक नवीन और रचनात्मक संस्कृति को बढ़ावा देने में हमारे सभी संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों व कर्मचारियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत के लिए एक श्रद्धांजलि है। हम अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए उत्साहित हैं और विजन 2047 के साथ जुड़कर शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में उपलब्धि की इस क्षमता को बनाए रखने के लिए समर्पित हैं। आईआईटी रुड़की के अभूतपूर्व समाधान, पानी में घुलनशील कोटिंग्स से लेकर पर्यावरण-अनुकूल अपशिष्ट जल उपचार तक, न केवल इसके महत्वपूर्ण सामाजिक प्रभाव को दर्शाते हैं बल्कि राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के अनुरूप भी हैं। प्रोफेसर कमल किशोर पंत निदेशक आईआईटी रुड़की, प्रोफेसर अक्षय द्विवेदी कुलशासक प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श व प्रोफेसर साई रामुडु मेका, सह कुलशासक कॉरपोरेट इंटरेक्शन द्वारा पुरस्कार स्वीकार करना न केवल प्रशंसा बल्कि उपलब्धि के इस स्तर को बनाए रखने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

ईवीएम का डेमो कर भगवानपुर उप जिलाधिकारी कार्यालय पर लोगों दी जानकारी

भगवानपुर/रुड़की (दैनिक हाक): आगामी लोकसभा निर्वाचन के लिए उप जिलाधिकारी कार्यालय भगवानपुर में ईवीएम का डेमो कर लोगों को इसके संबंध में जानकारी दी गई। लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग तैयारी में जुट गया है। जिसके चलते शनिवार को उपजिलाधिकारी कार्यालय भगवानपुर में ईवीएम की सत्यता को लेकर डेमो मतदान कराया गया है। जिसमें सैकड़ों लोगों ने मतदान किया है। सभी ने अपने मत का प्रयोग कर पर्ची प्राप्त की। जो बिल्कुल सत्यता और सही पायी गई है।

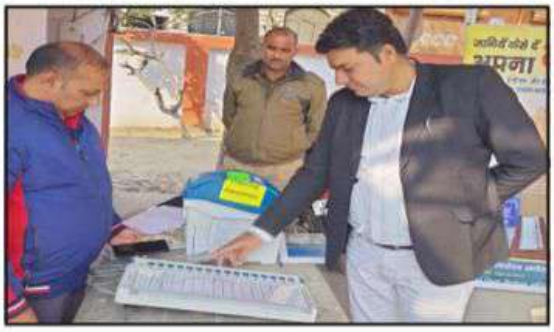

सीनियर क्रिकेट लीग में सैनी क्रिकेट अकादमी ने नवयुवक क्रिकेट एकेडमी से जीता मैच

रुड़की (दैनिक हाक): जिला क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ हरिद्वार के तत्वाधान में आयोजित जिला सीनियर क्रिकेट लीग के अंतर्गत शनिवार को सैनी क्रिकेट एकेडमी रुड़की व नवयुवक क्रिकेट एकेडमी रुड़की के मध्य बीईजी ग्राउंड पर मैच खेला गया। जिसमें सैनी क्रिकेट एकेडमी रुड़की 6 विकेट से जीत दर्ज की।

सैनी क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। नवयुवक क्रिकेट अकादमी की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए 21.02 ओवरों में 53 रन बनाकर पूरी टीम आउट हो गई। टीम की तरफ से दीपक 16 व अनेश 14 रन बनाए इन दोनों बल्लेबाजों को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज सैनी क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों के सामने नहीं टिक पाया। सैनी क्रिकेट एकेडमी रुड़की की ओर से वासुदेव सैनी ने 5, नवीन ने 3, हितेश सैनी ने 2 विकेट लेकर पूरी टीम को धराशाही कर दिया। 54 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सैनी क्रिकेट एकेडमी ने 15 ओवर में चार विकेट गवांकर लक्ष्य को हासिल कर लिया। इस तरह सैनी क्रिकेट एकेडमी ने 6 विकेट से मैच जीत लिया। नवयुवक की तरफ से रोहित ने 2, अरबाज ने 1, शांतनु सैनी ने 1 विकेट लिए। पांच विकेट लेने वाले सैनी क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाज वासुदेव सैनी को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

इनोवेटिव रिसर्च इंस्टीट्यूशन के रूप में जीते ग्रैंड जूरी पुरस्कार एवं मोस्ट इनोवेटिव इंस्टीट्यूट पुरस्कार-2023

आईआईटी रूड़की को मिले दो प्रतिष्ठित पुरस्कार

हम इस मान्यता से सम्मानित महसूस कर रहे हैं

सोशल मीडिया टाइम्स

रुड़की। नवाचार एवं उत्कृष्टता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के एक शानदार प्रमाण में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की (आईआईटी रूड़की) एक बार फिर भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) औद्योगिक नवाचार पुरस्कारों के 10वें संस्करण में पुरस्कृत किया गया है। संस्थान ने शीर्ष इनोवेटिव रिसर्च इंस्टीट्यूशन के लिए ग्रैंड जूरी अवार्ड और 2023 के लिए मोस्ट इनोवेटिव इंस्टीट्यूट पुरस्कार पर जीत हासिल की। यह प्रतिष्ठित दोहरा सम्मान अग्रणी अनुसंधान एवं नवाचार के प्रति संस्थान की असाधारण प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। लगातार चैथे वर्ष यह पुरस्कार परिवर्तनकारी अनुसंधान एवं सामाजिक प्रभाव के प्रति अपने अटूट समर्पण को प्रदर्शित करता है।

आईआईटी रूड़की को शीर्ष इनोवेटिव रिसर्च इंस्टीट्यूशन के रूप में ग्रैंड जूरी पुरस्कार एवं मोस्ट इनोवेटिव इंस्टीट्यूट पुरस्कार प्रदान किया गया है। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय में वैज्ञानिक सचिव डॉ. परविंदर मैनी ने आईआईटी रूड़की को दिल्ली में यह पुरस्कार प्रदान किया। उन्हइस अवसर पर उन्होंने कहा कि नवाचार न केवल आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है बल्कि संगठनों को बदलाव के बीच भी प्रासंगिक बने रहने की अनुमति देता है। भारत के विविध परिदृश्य और आबादी के साथ, निरंतर अनुसंधान और नवाचार की आवश्यकता हमेशा महसूस की गई है, जिससे आईआईटी रुड़की निरन्तर प्रगति और प्रासंगिकता के साथ आगे बढ रही है। आईआईटी रूड़की के निदेशक प्रोफेसर कमल किशोर पंत ने संस्थान की ओर से पुरस्कार स्वीकार करते हुए कहा कि हम इस मान्यता से सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जो नवाचार एवं अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए आईआईटी रूड़की की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह पुरस्कार

आईआईटी को मिला शीर्ष इनोवेटिस संस्थान का पुरस्कार

पुरस्कार प्राप्त करते आईआईटी रुड़की के निदेशक।

रुड़की, 16 दिसम्बर (अनिल) : आईआईटी रुड़की एक बार फिर भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) औद्योगिक नवाचार पुरस्कारों के 10वें संस्करण में विजयी हुआ है। आईआईटी ने शीर्ष इनोवेटिव रिसर्च इंस्टीट्यूशन के लिए ग्रैंड जूरी अवार्ड और 2023 के लिए मोस्ट इनोवेटिव इंस्टीट्यूट पुरस्कार जीतकर दोहरी मान्यता हासिल की। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय में वैज्ञानिक सचिव डॉ. परविंदर मैनी ने आईआईटी रूड़की को यह पुरस्कार प्रदान किया। आईआईटी रूड़की के निदेशक प्रोफेसर कमल किशोर पंत ने संस्थान की ओर से पुरस्कार स्वीकार किया।

आईआईटी रूड़की ने जीता मोस्ट इनोवेटिव इंस्टीट्यूट पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नवाचार एवं उत्कृष्टता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के एक शानदार प्रमाण में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की (आईआईटी रूड़की) एक बार फिर भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) औद्योगिक नवाचार पुरस्कारों के 10वें संस्करण में विजयी हुआ है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की ने शीर्ष इनोवेटिव रिसर्च इंस्टीट्यूशन के लिए -ग्रैंड जूरी अवार्ड- और 2023 के लिए -मोस्ट इनोवेटिव इंस्टीट्यूट- पुरस्कार जीतकर दोहरी मान्यता हासिल की। यह प्रतिष्ठित दोहरा सम्मान अग्रणी अनुसंधान एवं नवाचार के प्रति संस्थान की असाधारण प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जो इस तरह की विशिष्ट मान्यता का लगातार चौथा वर्ष है। परिवर्तनकारी अनुसंधान एवं सामाजिक प्रभाव के प्रति अपने अटूट समर्पण को यह प्रदर्शित करता है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की %आत्मनिर्भर भारत% और टिकाऊ समाधानों के लिए समर्पित है, जो अपने शोध को राष्ट्रीय एजेंडे के साथ जोड़ता है। संस्थान सहयोग, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और रचनात्मकता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के माध्यम से नवाचार को फिर से परिभाषित करता है। शिक्षा और उद्योग को जोड़ने पर मुख्य ध्यान देने के साथ, ग्रामीण टेलीहेल्थ ऐप और पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकियों सहित आईआईटी रूड़की के प्रभावशाली आविष्कार, %विकसित भारत 2047% के दृष्टिकोण के अनुरूप, आर्थिक और पारिस्थितिक स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। संस्थान एक असाधारण नवाचार एवं अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करता है जो छात्रों और संकाय का दृढ़ता से समर्थन करता है, रचनात्मकता और अभूतपूर्व अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा देता है। संस्थान सक्रिय रूप से शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है, जिसके परिणामस्वरूप मूल्यवान बातचीत और प्रौद्योगिकी का आदान-प्रदान होता है। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में हाल की पहल सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बीच अंतर को पाटने के लिए आईआईटी रूड़की की प्रतिबद्धता को उजागर करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि नवीन अनुसंधान उद्योग की प्रगति और सामाजिक प्रगति में प्रभावी ढंग से योगदान देता है। आईआईटी रूड़की का गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र नवाचार और सहयोग के लिए एक समग्र दृष्टिकोण का उदाहरण देता है, जो प्रयोगशाला से बाजार तक प्रभावशाली परिणाम देता है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की दो अभूतपूर्व नवाचारों के साथ स्थिरता के मामले में सबसे आगे है। सबसे पहले, उन्होंने पेपर कप के लिए एक विशेष कोटिंग विकसित की है, जो उन्हें आसानी से रिसाइकल करने योग्य बनाती है और प्लास्टिक कचरे की समस्या से निपटती है। यह पानी में घुलनशील फॉर्मूला न केवल लागत प्रभावी साबित होता है बल्कि एकल-उपयोग प्लास्टिक को कम करने की वैश्विक पहल के अनुरूप भी है। दूसरी पहल, आईआईटी रूड़की ने मुद्रण के लिए जल-आधारित स्याही प्रस्तुत की है, जो हानिकारक उत्सर्जन को काफी कम करते हुए लागत-प्रभावशीलता और पर्यावरण-अनुकूलता प्रदान करती है। आईआईटी रूड़की के नेतृत्व में किए गए दोनों आविष्कार स्वच्छ, हरित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है, जो आत्मनिर्भर भारत और टिकाऊ समाज की पहल का समर्थन करते हैं। व्यापक संदर्भ में, संस्था वैश्विक चुनौतियों से निपटने और नवीन समाधानों के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (यूएन एसडीजी) में योगदान देने के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है। पानी में घुलनशील कोटिंग और स्याही फॉर्मूलेशन जैसी अग्रणी परियोजनाएं, संयुक्त राष्ट्र एसडीजी द्वारा उल्लिखित वैश्विक विकास के सिद्धांतों के साथ संरेखित, जिम्मेदार उपभोग, पर्यावरणीय नवाचार और समग्र टिकाऊ प्रथाओं के प्रति आईआईटी रूड़की के समर्पण को रेखांकित करती हैं।

संस्थान एक समृद्ध शोध वातावरण प्रदान करता है, जो नवाचार और उष्मायन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। संस्थान अपने उष्मायन और नवाचार पोर्टफोलियो को बढ़ाता है, एक पारदर्शी प्रायोजित अनुसंधान नीति के माध्यम से अत्याधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देता है और उन्नत प्रयोगशालाओं के विस्तार के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। हाल की पहलों में फोटोनिक्स, क्वांटम संचार प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान, ड्रोन, बांध सुरक्षा, टिकाऊ ऊर्जा, टिकाऊ ग्रामीण विकास और भारतीय ज्ञान प्रणाली जैसे क्षेत्रों में बहु-विषयक अनुसंधान केंद्रों की स्थापना शामिल है। यह रणनीतिक दृष्टिकोण विभिन्न क्षेत्रों में समग्र प्रगति के केंद्र के रूप में आईआईटी रूड़की की स्थिति को सशक्त बनाता है।

भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय में वैज्ञानिक सचिव डॉ. (श्रीमती) परविंदर मैनी ने आईआईटी रूड़की को यह पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला, -नवाचार न केवल आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है बल्कि संगठनों को बदलाव के बीच भी प्रासंगिक बने रहने की अनुमति देता है। भारत के विविध परिदृश्य और आबादी के साथ, निरंतर अनुसंधान और नवाचार की आवश्यकता हमेशा महसूस की गई है, जिससे प्रगति और निरंतर प्रासंगिकता के लिए यह अनिवार्य हो गया है।

आईआईटी रूड़की के निदेशक प्रोफेसर कमल किशोर पंत ने संस्थान की ओर से पुरस्कार स्वीकार किया और कहा, -हम इस मान्यता से सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जो नवाचार एवं अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए आईआईटी रूड़की की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह पुरस्कार एक नवीन और रचनात्मक संस्कृति को बढ़ावा देने में हमारे सभी संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों व कर्मचारियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत के लिए एक श्रद्धांजलि है। हम अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए उत्साहित हैं और विजन 2047 के साथ जुड़कर शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता की इस क्षमता को बनाए रखने के लिए समर्पित हैं।

आईआईटी रूड़की के अभूतपूर्व समाधान, पानी में घुलनशील कोटिंग्स से लेकर पर्यावरण-अनुकूल अवशिष्ट जल उपचार तक, न केवल इसके महत्वपूर्ण सामाजिक प्रभाव को दर्शाते हैं बल्कि राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के अनुरूप भी हैं। प्रोफेसर कमल किशोर पंत - निदेशक आईआईटी रूड़की, प्रोफेसर अक्षय द्विवेदी डी कुलशासक - प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श व प्रोफेसर साई रामुडु मेका डी सह कुलशासक कॉर्पोरेट इंटरेक्शन द्वारा पुरस्कार स्वीकार करना न केवल प्रशंसा बल्कि उपलब्धि के इस स्तर को बनाए रखने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

आईआईटी को सीआईआई के ग्रैंड पुरस्कार से सम्मानित किया

● जनवाणी संवाददाता, रुड़की

नवाचार एवं उत्कृष्टता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के एक शानदार प्रमाण में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की (आईआईटी रूड़की) एक बार फिर भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) औद्योगिक नवाचार पुरस्कारों के 10वें संस्करण में विजयी हुआ है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की ने शीर्ष इनोवेटिव रिसर्च इंस्टीट्यूशन के लिए ₹ग्रैंड जूरी अवार्ड₹ और 2023 के लिए मोस्ट इनोवेटिव इंस्टीट्यूट पुरस्कार जीतकर दोहरी मान्यता हासिल की। यह प्रतिष्ठित दोहरा सम्मान अग्रणी अनुसंधान एवं नवाचार के प्रति संस्थान की असाधारण प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जो इस तरह की विशिष्ट मान्यता का लगातार चौथा वर्ष है। परिवर्तनकारी अनुसंधान एवं सामाजिक प्रभाव के प्रति अपने अटूट समर्पण को यह प्रदर्शित करता है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की 'आत्मनिर्भर भारत' और टिकाऊ समाधानों के लिए समर्पित है, जो अपने शोध को राष्ट्रीय

एजेंडे के साथ जोड़ता है। संस्थान सहयोग, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और रचनात्मकता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के माध्यम से नवाचार को फिर से परिभाषित करती है। शिक्षा और उद्योग को जोड़ने पर मुख्य ध्यान देने के साथ, ग्रामीण टेलीहेल्थ ऐप और पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकियों सहित आईआईटी रूड़की के प्रभावशाली आविष्कार, 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण के अनुरूप, आर्थिक और पारिस्थितिक स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। संस्थान एक असाधारण नवाचार एवं अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करता है जो छात्रों और संकाय का दृढ़ता से समर्थन करता है, रचनात्मकता और अभूतपूर्व अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा देता है। संस्थान सक्रिय रूप से शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देती है, जिसके परिणामस्वरूप मूल्यवान बातचीत और प्रौद्योगिकी का आदान-प्रदान होता है। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में हाल की पहल सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बीच अंतर को पाटने के लिए आईआईटी रूड़की की प्रतिबद्धता को उजागर करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि नवीन अनुसंधान उद्योग की प्रगति और सामाजिक प्रगति में प्रभावी ढंग से योगदान देता है। आईआईटी रूड़की का गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र नवाचार और सहयोग के लिए एक समग्र दृष्टिकोण का उदाहरण देता है, जो प्रयोगशाला से बाजार तक प्रभावशाली परिणाम देता है। आईआईटी रूड़की के नेतृत्व में किए गए दोनों आविष्कार स्वच्छ, हरित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक हैं, जो आत्मनिर्भर भारत और टिकाऊ समाज की पहल का समर्थन करते हैं। नवीन समाधानों के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (यूएन एसडीजी) में योगदान देने के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है। पानी में घुलनशील कोटिंग और स्याही फॉर्मूलेशन जैसी उल्लेखनीय परियोजनाएं, संयुक्त राष्ट्र एसडीजी द्वारा उल्लिखित वैश्विक विकास के सिद्धांतों के साथ संरेखित, जिम्मेदार उपभोग, पर्यावरणीय नवाचार और समग्र टिकाऊ प्रथाओं के प्रति आईआईटी रूड़की के समर्पण को रेखांकित करती हैं। भारत के विविध परिदृश्य और आबादी के साथ, निरंतर अनुसंधान और नवाचार की आवश्यकता हमेशा महसूस की गई है, जिससे प्रगति और निरंतर प्रासंगिकता के लिए यह अनिवार्य हो गया है।''

आईआईटी रूड़की के निदेशक प्रोफेसर कमल किशोर पंत ने संस्थान की ओर से पुरस्कार स्वीकार किया और कहा, ₹हम इस मान्यता से सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जो नवाचार एवं अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए आईआईटी रूड़की की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह पुरस्कार एक नवीन और रचनात्मक संस्कृति को बढ़ावा देने में हमारे सभी संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों व कर्मचारियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत के लिए एक श्रद्धांजलि है। हम अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए उत्साहित हैं और विजन 2047 के साथ जुड़कर शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में उपलब्धि की इस क्षमता को बनाए रखने के लिए समर्पित हैं।